हमारे यहाँ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

शोधमंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

प्रो0 (कैप्टन) अन्जुला राजवंशी,

आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

Email Id: *shodhmanthaneditor@gmail.com, dr.anjularajvanshi@gmail.com*

सम्पादकीय समिति

डॉ0 वजिरा गुनासेन, *भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन और प्रदर्शन कला विभाग, श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय, श्रीलंका* wajiragunasena@sjp.ac.lk

प्रौफेसर रामयज्ञ मौर्य, *विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मेरठ कॉलिज, मेरठ* rymaurya3747@gmail.com

डॉ0 कामना कौशिक, *एसो0 प्रो0, हिन्दी विभाग, वैश्य कालिज, रोहतक, हरियाणा,* kamnacmk78@gmail.com

डॉ0 राखी त्यागी, *एसो0 प्रो0, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, के0एल0 पीजी कालिज, मेरठ* rakhidhruv@gmail.com

डॉ0 शैफाली अग्रवाल, *असि0 प्रो0, मनोविज्ञानविभाग, गोकुलदास हिन्दु गर्ल्स कॉलिज, मुरादाबाद,* akshat02agarwal@gmail.com

डॉ0सत्यवीर सिंह, *असि0 प्रो0, विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर* satyveer171@gmail.com

डॉ0 पूजा खन्ना, *असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद,* mailme.pujakapoor@rediffmail.com

डॉ0 अनामिका, *असि0 प्रो0, शिक्षा विभाग, एस0एन0सेन बी0वी0 पीजी कॉलिज, कानपुर,* angelanamika22@gmail.com

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, *हिन्दी विभाग, महात्मा गाँधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस,* kdramjatton@yahoo.com

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- कृप्या अपना लेख kietjournals@gmail.com पर भेजें।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

Subscription

In India	Rs. 1000.00 प्रति अंक	Rs. 4000.00 वार्षिक
Out of India	$ 10.00 प्रति अंक	$ 400.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 8.870 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XIV No. IV **Oct.-Dec. 2023**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

76. मानव अधिकारों से सम्बन्धित मुख्य चुनौतियां और उनका समाधान
प्रो० निरंजना शर्मा 525

77. उच्च शिक्षाः समस्या एवं समाधान
डॉ० सुमिता शर्मा 531

78. डॉ० एनी बेसेंट के राजनीतिक विचार
डॉ० नीरजा गुप्ता 536

79. भारत में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति का विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ० सविता तोमर 543

80. नागार्जुन के हिंदी उपन्यासों में ग्राम–चेतना (1947–1960)
डॉ० मुकुल शर्मा 548

81. सुनीता जैन के उपन्यासों में नारी अस्मिता
डॉ० राम पाण्डेय 554

82. संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक सहभागिता एवं नारी सशक्तिकरण
डॉ० प्रदीप कुमार 558

83. महिला आरक्षण कानून : पितृसत्ता से मुक्ति या चुनावी युक्ति
डा० माया गुप्ता 565

84. झारखण्ड के कोल्हान पोड़ाहाट क्षेत्र में मानकी मुण्डा व्यवस्था पर आधुनिकीकरण का प्रभाव
डॉ० स्मिता किरण टोप्पो 572

85. वर्तमान परिवेश में वृद्ध महिलाओं की सामाजिक समस्या
डॉ० अंजू मिश्रा 583

86. भारतीय कला में सूर्य का प्रतीकात्मक अंकन
डॉ० मनोज कुमार 591

87. महिला सशक्तिकरण में तीन तलाक भूमिका
डॉ० अशोक कुमार 598

88. कौटिल्य के प्रशासनिक विचार वर्तमान प्रशासन की आधारशिला के रूप में
डॉ० रेखा, डॉ० किरन 606
89. भारतीय स्वतंत्रता के पूर्व रूस के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंधों की एक झलक
डॉ० मंदाकिनी राय 613
90. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं अध्यापक शिक्षा
डॉ० कृष्ण कुमार सिंह, नौमी लाल 620
91. यौगिक आहार की मानसिक स्वास्थ्य में भूमिका
डॉ० राजेश कुमार, बीना 627
92. अकबर कालीन दरबार के हिन्दी कवि
डा० पंकज शर्मा, ललित कुमार 631
93. वैश्वीकरण के दौर में बाल श्रम
राम कुमार 638
94. भारतीय समाज में सामाजिक न्यायः डॉ० बी०आर० अम्बेडकर के विचार
देवमणि 645
95. पौराणिक आख्यानों में निहित मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता
आंचल सक्सेना 650
96. विज्ञापन कला के क्षेत्र में ग्राफिक डिजाइन की भूमिका एवं बढ़ती उपयोगिता
अनुपमा ठाकुर 655
97. प्रतिमानाटकम् में नैतिक मूल्य
सर्वेश कुमार 660
98. अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन : प्रासंगिकता एवं औचित्य
विरेन्द्र सिंह 665
99. गोरखपुर नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक स्थितियों का विश्लेषण एवं जोखिम प्रभाव का मूल्याकंन
रम्भा मौर्या 672
100. महाराष्ट्र की कोरकू जनजाति में लोककथाएं : एक मानवशास्त्रीय अध्ययन
विवेक कुमार, महेन्द्र कुमार जायसवाल 683
101. उत्पादों की ब्राण्ड़ पैकेजिंग का महत्व एवं लाभ
डॉ० आनन्द कुमार शर्मा 690
102. सूरदास के काव्य में चित्रित जीवन का राग
डॉ० सुमन सिंह 694